शिविर

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत लगा विशाल शिविर, महिलाओं की जांच, रक्तदान और किशोरियों को दिया परामर्श

मंडला-जबलपुर के विशेषज्ञों ने एक ही स्थान पर दी स्वास्थ्य सेवाएं

मंडला 22 सितंबर नभाप्र. महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंडला जिले में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार सेवा पखवाड़ा के तहत विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य और पोषण संबंधी समस्याओं की पहचान कर उनका समय पर उपचार करना था। यह अभियान 2 अक्टूबर तक जारी रहेगा। स्वास्थ्य शिविर में शिविर प्रभारी एपीडेमियोलॉजिस्ट राजेन्द्र वर्मा, सीबीएमओ डॉ अमृत लाल कोल समेत सीएचसी नारायणगंज स्टाफ मौजूद रहा। आयोजित स्वास्थ्य शिविर में मंडला जबलपुर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आने वाले मरीजों का जांच परीक्षण किया। इसके साथ ही उन्हें उचित सलाह भी दी गई। टीबी जांच, एक्स-रे समेत अन्य जांचे भी की गई। इस शिविर में मंडला और जबलपुर से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दीं। इनमें मंडला से शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कमलेश ठाकुर, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रमा पटेल, फीजियोथैरेपिस्ट दीपशिखा, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अविनाश खरे, तथा जबलपुर से कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. हर्ष, आर्थोपेडिक्स डॉ. सप्रास और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. तिशा शामिल थे। इनके साथ ही नारायणगंज सीएचसी स्टाफ ने भी सहयोग किया।

रक्तदान शिविर में 6 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

शिविर में जांच के साथ ही रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। छह जागरूक लोगों, अन्नू यादव, पवन यादव, प्रमोद चक्रवर्ती, कुलदीप चौकसे, आनंद यादव, और राहुल यादव ने जरूरतमंदों के लिए रक्तदान किया। इस दौरान पूर्व निवास विधायक रामप्यारे कुलस्ते, भाजपा कार्यकर्ता, सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल और मंडला ब्लड बैंक की टीम भी मौजूद रही।

किशोर, किशोरियों को मिला परामर्श और उपचार

उमंग क्लिनिक के तहत शिविर में आए किशोर, किशोरियों को पोषण और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इसका उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूक करना था। किशोरियों ने माहवारी और सफेद पानी जैसी समस्याओं पर खुलकर बात की, जिसके लिए उन्हें उचित परामर्श दिया गया और आगे के उपचार के लिए डॉक्टरों के पास भेजा। इस पहल से युवा अपनी समस्याओं को खुलकर साझा करने में सहज महसूस कर रहे हैं।

जांच के साथ दी सलाह

शिविर में टीबी और एक्स-रे सहित कई तरह की जांचें की गईं। मरीजों की तुरंत जांच कर उन्हें उचित सलाह भी दी गई। शिविर के दौरान हाइपरटेंशन, डायबिटीज, ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, टीबी, एनीमिया और सिकल सेल की स्क्रीनिंग की गई। साथ ही, एएनसी चेकअप, ब्लड शुगर की जांच और टीकाकरण भी किया गया। आने वाले लोगों को पोषण संबंधी मुफ्त सलाह भी दी गई।

196 मरीजों ने लिया होम्योपैथी और आयुर्वेद का लाभ

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में आयोजित विशाल स्वास्थ्य शिविर में आयुष विभाग ने भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कीं। इस शिविर में आयुर्वेद और होम्योपैथी पद्धतियों से मरीजों का इलाज किया गया। शिविर में 107 लोगों ने होम्योपैथी और 89 लोगों ने आयुर्वेदिक पद्धति से अपना उपचार कराया। अधिकतर मरीज वायरल बुखार, सर्दी, खांसी और अन्य सामान्य बीमारियों से संबंधित थे। आयुष विभाग के विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच कर उन्हें उचित दवाएं भी दीं। इस दौरान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेज सिंह तराम और होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रत्युश हरमित अपने स्टाफ के साथ मौजूद रहे और मरीजों को परामर्श दिया। आयुष विभाग की इस भागीदारी से स्थानीय लोगों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का लाभ मिला, जिससे शिविर का दायरा और भी व्यापक हो गया।

दस महाविधाओं का एक रूप है माता छिन्नमस्ता

ग्राम दिवारा में है माता का दरबार, भक्तों की होती है मुरादें पूरी

मंडला 22 सितंबर नभाप्र. मुख्यालय से करीब 15 किलो मीटर की दूरी पर ग्राम दिवारा में महाविद्या का रूप छिन्नमस्ता का मंदिर है। ग्राम के दस्तावेजों के अनुसार लगभग 1700 ईसवीं में बिहार से निजाम शाह मंडला आए तो उनके साथ पिण्डी ग्राम के तिवारी भी आए। जिन्होंने माता की मूर्ति को बिहार शक्ति पीठ से साथ लेकर मंडला के ग्राम दिवारा पहुंचकर यहां स्थापित किया। उन तिवारियों को मंडला में ज्योतिषी की उपाधि दी गई। माता का रूप अद्वितीय है। जिनका मस्तष्क कटा हुआ है जो स्वयं के हाथ पर है। माता के आजू बाजू उनकी सेविका जया, विजिया है। धड़ से जो तीन खून की धार निकल रही है। दो धार जया, विजिया के मुख में और एक धार माता के मुख में जा रही है। माता रति व काम देव के ऊपर खड़ी है। बताया गया कि माता का यह रूप अपनी सेविका की तृष्णा मिटाने के लिए उन्हें अपना रक्तपान कराया। माता साधकों की साधना व तंत्र विद्या में महारथ देती है।

यहां स्थानीय बुजूर्गो ने बताया कि पूर्व में यहां बलि का विधान था। उस समय माता के सेवक भड़ीश्वर महाराज व खड़ेश्वर दत्त प्रखंड तांत्रिक थे। उनके बाद 1960 से यहां बलि प्रथा माता की आज्ञा अनुसार बंद कर दी गई। मंदिर में दूर-दूर से लोग अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं। ऐसे हजारों लोग हैं जिनके कार्य माता की इच्छा से ही पूरे हुए हैं। आज भी जो श्रद्धालु यहां सच्चे हृदय से प्रार्थना, वंदना करता है, उसके कार्य सफलता पूर्वक होते है।

पंडित जगदीश ज्योतिषी ने बताया कि छिन्नमस्ता माता का मंदिर बिहार में शक्तिपीठ के रूप में है और दूसरा मंदिर दिवारा में है। स्थापना के विषय में बताया गया कि जिस गांव में उत्तर दिशा में होली जलती है या दक्षिण दिशा में शमशान होता है और दो नदियों के मिलने से बीच की जगह त्रिभुजा आकार का योनि मंडल बनता है। वहीं माता की स्थापना का विधान है। यह सब योग जिले के ग्राम दिवारा में मिले। जिसके बाद यहां माता छिन्नमस्ता की स्थापना की गई। बताया गया कि चैत्र की नवरात्रि में यहां जवारे बोए जाते है व कलश रखे जाते है। पूरे वर्ष भर सुबह शाम की आरती में पूरा गांव एकत्र होता है। माता के आशीर्वाद से गांव में आज तक किसी भी प्रकार की विपत्ति नहीं आई।

कलश यात्रा के साथ स्थापित हुई मां दुर्गा की प्रतिमा

बबलिया में धार्मिक आयोजनों का श्रीगणेश

शिव पुराण और देवी महापुराण कथा का आगाज, पूरा क्षेत्र हुआ भक्तिमय

बबलिया 22 सितंबर नभाप्र. नवरात्रि के आगमन के साथ ही बबलिया क्षेत्र में धार्मिक कार्यक्रमों की धूम मच गई है। सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में शिव पुराण का भव्य आयोजन शुरू हो गया है, जिसके लिए सोमवार 22 सितंबर को कलश यात्रा निकाली गई। कथा व्यास पंडित महाकाल सेवक लक्ष्मीकांत महाराज दोपहर 2 बजे से शिव पुराण का वाचन शुरू किया, जिसका समापन शाम 6 बजे महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। प्रतिदिन पुराण का प्रारंभ दोपहर दो बजे से किया जाएगा। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति ने सभी क्षेत्रवासियों से इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

बताया गया कि बबलिया माल में स्थित खेर माई मंदिर में भी सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा महादेवी पुराण और भागवत कथा का आयोजन किया गया है। यहां भी संगीतमय देवी महापुराण और भागवत कथा का वाचन शुरू हुआ। इस आयोजन के लिए भी कलश यात्रा निकाली गई, जो दुर्गा पंडाल से खेर माई मंदिर, हनुमान मंदिर और शिव मंदिर होते हुए कलश स्थापना स्थल तक पहुंची। मां दुर्गा की स्थापना और पूजा पंडित गोवर्धन लाल पांडे के मार्गदर्शन में वेद मंत्रों के साथ संपन्न हुई। इन धार्मिक आयोजनों में युवा, युवतियां, समिति के सदस्यों और ग्रामवासियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पूरे क्षेत्र में मां दुर्गा की स्थापना और कलश यात्राओं के दौरान बैंड-बाजों और आतिशबाजी का भव्य नजारा देखने को मिला, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है।

पंडालों में की गई मां दुर्गा की स्थापना, देर शाम तक चलता रहा मूर्ति ले जाने का क्रम

माँ की भक्ति में लीन रहेंगे भक्त, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां दुर्गा की हुई घट स्थापना

मंडला 22 सितंबर नभाप्र. शक्ति की आराधना का पर्व शारदेय नवरात्र प्रारंभ हो गया है। जिले के सभी प्रमुख माता के मंदिरों, शक्ति पीठों में विशेष अनुष्ठान प्रारंभ हो चुके है। देवी मंदिरों में विशेष साज-सज्जा की गई है। पहले दिन सुबह से मंदिरों में भक्तों का ताता लगा रहा है। नवरात्र के शेष आठ दिन भक्तों का ताता देवी मंदिरों में देखने मिलेगा। नवरात्र में सुरक्षा के भी इंतजाम किए गए है। माता के मंदिरों, पंडालों और शक्ति पीठों में सुबह शाम विशेष आरती की शुरूआत हो गई है। शारदेय नवरात्रि का प्रारंभ भक्तों ने उत्साह के साथ किया। बैठकी के अवसर पर जिले एवं शहर में दुर्गा पंडालों में देर रात्रि तक दुर्गा स्थापना होती रही। नवरात्रि के पहले दिन भक्तों की भीड़ नर्मदा तटों एवं मंदिरों में सुबह से दिखना प्रारंभ हो गई थी। भक्ती भाव के साथ भक्तों ने 9 दिनों का उपवास प्रारंभ किया। वहीं अनेक भक्त पहले दिन का उपवास पर रहे। शहर में विभिन्न सार्वजनिक दुर्गोत्सव समितियों के द्वारा आदि शक्ति मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना विधि विधान से की गई। बड़ी खैरी, कोष्टा मोहल्ला, कृषि उपज मंडी, बिझिंया, उपनगर महाराजपुर में कारीकोन तिराहा, बजरंग चौराहा, रेल्वे स्टेशन, राजीव कालोनी समेत अन्य क्षेत्रों में माँ दुर्गा प्रतिमा की स्थापना की गई। दुर्गा पंडालों की आकर्षक साज सज्जा भी पूर्ण हो चुकी है।

आज होगी माँ ब्रम्हचारिणी की पूजा

मां दुर्गा के उपासक और भक्त को अनंत कोटि फल प्रदान करने वाली मां ब्रहचारिणी की पूजा नवरात्रि के दूसरे दिन की जाती है। मां दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रम्हचारिणी का है। माता ब्रहमचारिणी का स्वरुप बहुत ही सात्विक और भव्य है। यहां ब्रम्ह का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है। ब्रम्हचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं।

बड़ी खैरी में दस विद्या महाशक्ति पीठ की स्थापना

नवरात्रि के प्रथम दिवस मंडला बड़ी खैरी स्थित श्री सिद्ध दुर्गोत्सव समिति द्वारा 54 वें स्थापना वर्ष पर वैदिक विधि-विधान के साथ माता रानी की घट स्थापना की गई। इस वर्ष दस विद्या महाशक्ति पीठ की स्थापना की गई है। वृंदावन से आए शिवम कृष्णाचार्य ने मंत्रोच्चार के साथ माता रानी की स्थापना कराई और समिति के पदाधिकारियों को संकल्प दिलाया। इस विशेष आयोजन में मां के दस दिव्य स्वरूप मां धूमावती, मां कमला, मां काली, मां बगलामुखी, मां मातंगी, मां तारा, मां त्रिपुर सुंदरी, मां भुवनेश्वरी, मां षोडशी और मां छिन्नमस्ता की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। बड़ी खैरी का यह दुर्गा उत्सव अपनी भव्यता और अनूठी भक्ति के लिए पूरे जिले में प्रसिद्ध है। इस आयोजन में युवा, बुजुर्ग और महिलाएं सभी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले 36 वाहनों की जांच

मंडला में आरटीओ का सघन चेकिंग अभियान, 12 बसों से वसूला 11 हजार 500 का जुर्माना

मंडला 22 सितंबर नभाप्र. परिवहन आयुक्त और कलेक्टर के आदेशानुसार जिला परिवहन अधिकारी विमलेश कुमार गुप्ता ने सोमवार को नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। यह अभियान मंडला-घंसौर और मंडला-नैनपुर मार्गों पर चलाया गया। चेकिंग के दौरान कुल 36 वाहनों की जांच की गई, जिसमें उनके फिटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी (प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र), अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, स्पीड लिमिटिंग डिवाइस, रेडियम, ओवरलोडिंग और अधिक किराया लेने जैसे पहलुओं की जांच की गई। इस कार्रवाई में मोटरयान अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत 12 बसों पर 11 हजार 500 का समन शुल्क वसूला गया। इस अभियान में परिवहन कार्यालय मंडला के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

घुघरी निवासी ने पत्रकारों पर मानसिक उत्पीड़न का लगाया आरोप, एसपी को सौंपा आवेदन

मंडला 22 सितंबर नभाप्र. घुघरी निवासी दुर्गेश प्रजापति ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक मंडला को आवेदन सौंपकर दो स्थानीय पत्रकारों पर मानसिक उत्पीड़न, सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने और पारिवारिक शांति भंग करने का गंभीर आरोप लगाया।

दुर्गेश ने अपने आवेदन में उल्लेख किया कि उक्त दोनों पत्रकार पुराने समाचारों को सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल कर उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे वे लंबे समय से मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि भविष्य में उनके साथ कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो इसके लिए यही दोनों व्यक्ति जिम्मेदार होंगे। आवेदन के दौरान जिले के कई पत्रकार मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घुघरी थाना प्रभारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

विभाग की लापरवाही, प्रतिमा स्थापना के दौरान घंटों गुल रही बिजली

लटकते तारों से आस्था पर संकट, शांति समिति की निष्क्रियता पर उठे सवाल

मंडला 22 सितंबर नभाप्र. नवरात्रि पर्व पर जहां रोशनी और उत्साह का माहौल होना चाहिए, वहीं मंडला शहर में विद्युत विभाग की लापरवाही श्रद्धालुओं की आस्था पर भारी पड़ रही है। दुर्गा प्रतिमा स्थापना के दौरान कई स्थानों पर झुके और उलझे बिजली के तारों में मूर्ति अटकने से लोगों में हड़कंप मच गया। न तो तारों को समय पर दुरुस्त किया गया और न ही खंभों की ऊँचाई बढ़ाने की कोई पहल की गई।

बताया गया कि प्रतिमा स्थापना के दौरान कई इलाकों में बिजली आपूर्ति अचानक ठप हो गई। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि आस्था के साथ विद्युत मंडल लगातार खिलवाड़ कर रहा है। बीते दिनों भी इन क्षेत्रों में दिनभर बिजली का आना-जाना जारी रहा और सोमवार को फिर वही हाल देखने को मिला। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग हर बार केवल अस्थायी समाधान कर अपना पल्ला झाड़ लेता है। त्योहारों से पहले स्थायी सुधार कार्य नहीं किए जाते और न ही लटकते तारों का स्थायी निवारण किया जाता। अधिकारियों से संपर्क करने पर फोन तक रिसीव नहीं किया जाता।

शहर की शांति समिति की निष्क्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं। शांति समिति केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। नागरिकों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही, तो विसर्जन पर्व पर सुरक्षा और व्यवस्था पूरी तरह भगवान भरोसे रहेगी।

जीवन के हर छोटे-बड़े कार्य को तनावमुक्त और उत्साह से करें

दैनिक कार्यों में सकारात्मकता की अनुभूति कराने दिया कर्मचारियों को प्रशिक्षण

नारायणगंज विकासखंड में आयोजित हुआ आनंद उत्सव, अल्प परिचय कार्यशाला

नारायणगंज 22 सितंबर नभाप्र. शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को दैनिक जीवन के कार्यों में सकारात्मकता की अनुभूति कराने के उद्देश्य से विकासखंड नारायणगंज के जनपद सभागार में एक दिवसीय अल्प परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जन अभियान परिषद् द्वारा आनंद विभाग के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत नारायणगंज उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन के साथ हुई। मेंटर सुरेश सोनी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि मंच का संचालन मेंटर राकेश अग्रवाल ने किया।

भोपाल के आनंद विभाग से आए मास्टर ट्रेनर अर्चना शर्मा, श्रीधा पाठक और संजुलता सिंगौर ने विभिन्न सत्रों का संचालन किया। इन सत्रों में समूह चर्चा, आनंद को परिभाषित करने वाली प्रश्नोत्तरी और बातचीत जैसी गतिविधियां शामिल थीं, जिनसे प्रतिभागियों ने सीखा कि कैसे आनंद व्यवहार और रिश्तों में स्थिरता लाता है और जीवन को सुखमय बना सकता है। जन अभियान परिषद् के विकासखंड समन्वयक अनिल मेहरा ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रेरणा गीत गाकर यह संदेश दिया कि जीवन के हर छोटे-बड़े कार्य को तनावमुक्त और उत्साह के साथ किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के अंत में परामर्शदाता वीरेंद्र अग्रवाल ने उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पुलिस, पशु चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास, उद्यानिकी विभागों के अधिकारियों के साथ जन अभियान परिषद के प्रस्फुट समिति के सदस्य, नवांकुर संस्था की प्रमुख इंद्रा उईके और सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस

निरोगी काया के लिए अनूठी पहल

बिछिया के सुदेश ने ढाई एकड़ में बनाया सैकड़ों दुर्लभ औषधीय पौधों का बगीचा

मंडला 22 सितंबर नभाप्र. आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला के भुआ बिछिया निवासी सुदेश नामदेव ने आयुर्वेद को जीवंत रखने के प्रयास में एक अनूठी पहल की है। पेशे से पर्यावरण प्रेमी और आयुर्वेद के जानकार सुदेश ने अपनी निजी ढाई एकड़ जमीन को एक औषधीय वन में बदल दिया है, जहां उन्होंने सैकड़ों दुर्लभ और उपयोगी पौधे उगाए हैं। यह बगीचा सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि निरोगी काया के लिए एक बड़ा प्रयास है। सुदेश ने ऐसे पौधों को संग्रहित और संरक्षित किया है जो दैनिक जीवन में होने वाली सामान्य बीमारियों से लेकर कई जटिल रोगों तक का इलाज करने में सक्षम हैं। उनका मानना है कि प्रकृति ने हमें स्वस्थ रहने के लिए सभी साधन दिए हैं, बस हमें उन्हें पहचानने और इस्तेमाल करने की आवश्यकता है। सुदेश के ढाई एकड़ में बनाए गए दुर्लभ औषधीय पौधों के बगीचें में कई ऐसे पौधे हैं जिनके औषधीय गुण हैरान कर देने वाले हैं। यहां गुड़मार जैसे पौधे हैं जो शुगर रोग में फायदेमंद हैं, तो पारिजात सायटिका के दर्द से राहत देता है। जहरीले जीव-जंतुओं के विष के लिए नाग दमनी और बवासीर के लिए नागदोन जैसे पौधे मौजूद हैं। विधारा गैंग्रीन के घावों को भरने में मदद करता है, और दहीमन का उपयोग शराब के नशे को कम करने के लिए किया जाता है।

सुदेश ने महिलाओं से संबंधित रोगों के लिए भी महत्वपूर्ण पौधे लगाए हैं, जैसे कि शिवलिंगी, जो गर्भाशय संबंधी समस्याओं और गर्भधारण में सहायक है। इसके साथ ही विजय सार शुगर और पेट रोगों के लिए, केवकन्द जोड़ों के दर्द के लिए और अमलतास पेट की सफाई के लिए उगाए गए हैं। किडनी की पथरी और रक्त स्राव के लिए जंगली प्याज, शरीर के अंदर और बाहर की गांठों के लिए कचनार, और मासिक धर्म व एलर्जी के लिए निर्गुंडी जैसे कई अन्य महत्वपूर्ण पौधे भी इस बगीचे का हिस्सा हैं।

स्वस्थ जीवन का संदेश

सुदेश नामदेव ने बताया कि उनके द्वारा बनाए गए औषधीय बगीचे में मलेरिया और टाइफाइड के लिए कुटज, माइग्रेन के लिए हल्दु और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए सफेद हल्दी व काली हल्दी भी संरक्षित की हैं। धातु रोग और नपुंसकता जैसे समस्याओं के लिए महाबल, नागबला और अतिबाला जैसी दुर्लभ जड़ी-बूटियां भी इनके औषधीय बगीचें में मौजूद हैं। सुदेश नामदेव की यह पहल न केवल औषधीय पौधों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह आयुर्वेद की प्राचीन ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास भी है। उनका यह प्रयास समाज को प्रकृति से जुड़ने और प्राकृतिक तरीकों से स्वस्थ जीवन जीने का संदेश देने का प्रयास है।